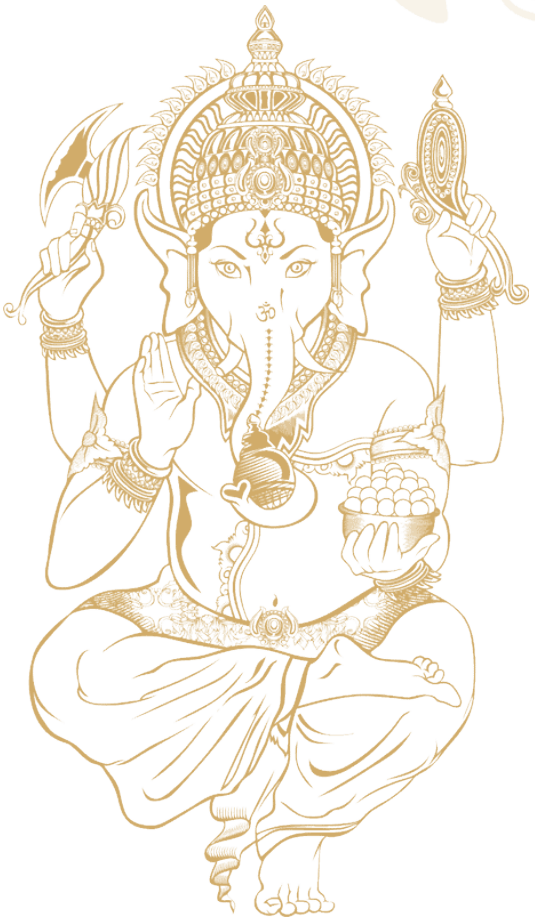

Ms.

30 Jun 2000

08:55 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121790108

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**30/06/2000**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**08:55:00 घंटे**
इष्ट	08:41:01 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	08:33:52 घंटे
वेलान्तर	-00:03:40 घंटे
साम्पातिक काल	03:07:54 घंटे
सूर्योदय	05:26:35 घंटे
सूर्यास्त	19:22:53 घंटे
दिनमान	13:56:18 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	14:47:22 मिथुन
लग्न के अंश	28:36:09 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**रोहिणी - 4**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	गण्ड
करण	विष्टि
गण	मनुष्य
योनि	सर्प
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	वू-वूली
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	28:36:09	309:50:47	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	---
सूर्य			मिथु	14:47:22	00:57:14	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	केतु	सम राशि
चंद्र			वृष	21:13:32	14:58:27	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	मूलत्रिकोण
मंगल		अ	मिथु	15:13:50	00:39:49	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	शत्रु राशि
बुध	व	अ	मिथु	24:27:20	00:27:33	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	स्वराशि
गुरु			वृष	06:06:14	00:12:33	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	शत्रु राशि
शुक्र		अ	मिथु	19:55:19	01:13:45	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	मंगल	मित्र राशि
शनि			वृष	02:41:29	00:06:25	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	गुरु	मित्र राशि
राहु	व		कर्क	00:47:25	00:01:46	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	मंगल	शत्रु राशि
केतु	व		मक	00:47:25	00:01:46	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	26:28:12	00:01:35	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	गुरु	---
नेप	व		मक	12:02:14	00:01:24	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	16:57:00	00:01:23	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	---
दशम भाव			मेष	25:33:52	--	भरणी	--	2	मंगल	शुक्र	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:51:35

लग्न-चलित

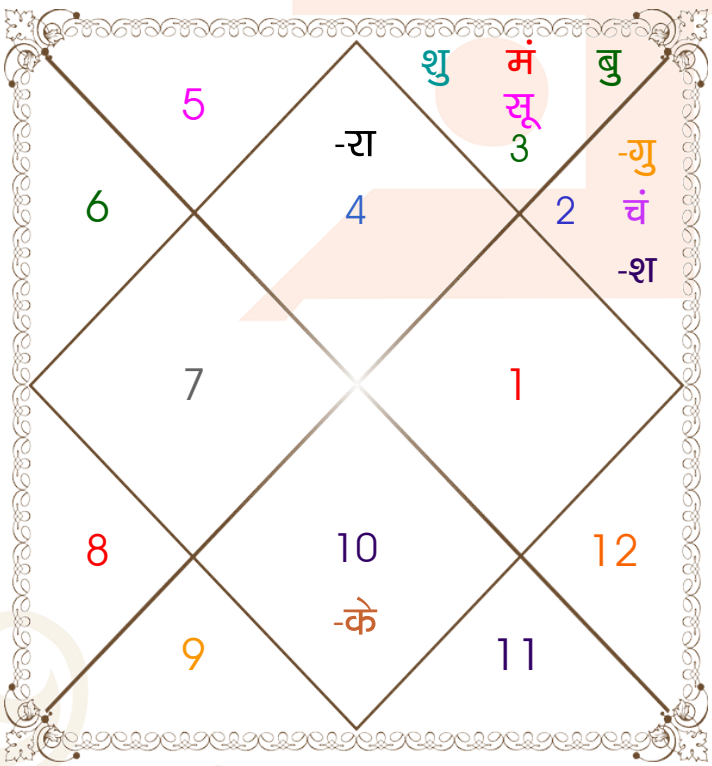

चन्द्र कुंडली

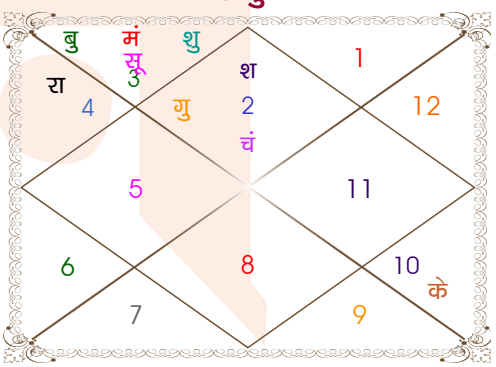

नवमांश कुंडली

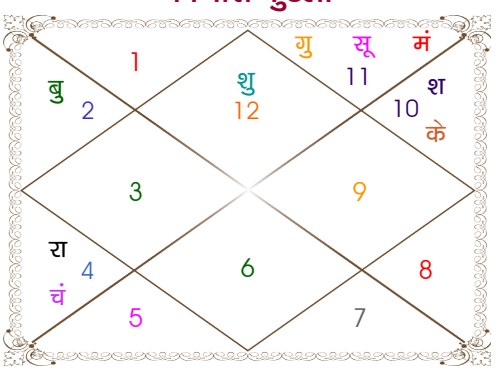

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 1 वर्ष 6 मास 29 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
30/06/2000		28/01/2002		28/01/2009		29/01/2027		29/01/2043	
28/01/2002		28/01/2009		29/01/2027		29/01/2043		28/01/2062	
	00/00/0000	मंगल	26/06/2002	राहु	11/10/2011	गुरु	18/03/2029	शनि	31/01/2046
	00/00/0000	राहु	15/07/2003	गुरु	06/03/2014	शनि	29/09/2031	बुध	10/10/2048
	00/00/0000	गुरु	20/06/2004	शनि	10/01/2017	बुध	04/01/2034	केतु	19/11/2049
	00/00/0000	शनि	30/07/2005	बुध	30/07/2019	केतु	11/12/2034	शुक्र	19/01/2053
	00/00/0000	बुध	27/07/2006	केतु	17/08/2020	शुक्र	11/08/2037	सूर्य	01/01/2054
	00/00/0000	केतु	23/12/2006	शुक्र	17/08/2023	सूर्य	30/05/2038	चंद्र	02/08/2055
	30/06/2000	शुक्र	22/02/2008	सूर्य	11/07/2024	चंद्र	29/09/2039	मंगल	10/09/2056
शुक्र	30/07/2001	सूर्य	29/06/2008	चंद्र	10/01/2026	मंगल	04/09/2040	राहु	18/07/2059
सूर्य	28/01/2002	चंद्र	28/01/2009	मंगल	29/01/2027	राहु	29/01/2043	गुरु	28/01/2062

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
28/01/2062		29/01/2079		28/01/2086		29/01/2106		30/01/2112	
29/01/2079		28/01/2086		29/01/2106		30/01/2112		00/00/0000	
बुध	26/06/2064	केतु	27/06/2079	शुक्र	30/05/2089	सूर्य	19/05/2106	चंद्र	29/11/2112
केतु	23/06/2065	शुक्र	26/08/2080	सूर्य	30/05/2090	चंद्र	18/11/2106	मंगल	30/06/2113
शुक्र	23/04/2068	सूर्य	01/01/2081	चंद्र	29/01/2092	मंगल	25/03/2107	राहु	30/12/2114
सूर्य	27/02/2069	चंद्र	02/08/2081	मंगल	30/03/2093	राहु	17/02/2108	गुरु	30/04/2116
चंद्र	30/07/2070	मंगल	29/12/2081	राहु	30/03/2096	गुरु	05/12/2108	शनि	29/11/2117
मंगल	27/07/2071	राहु	16/01/2083	गुरु	29/11/2098	शनि	17/11/2109	बुध	01/05/2119
राहु	13/02/2074	गुरु	23/12/2083	शनि	29/01/2102	बुध	24/09/2110	केतु	30/11/2119
गुरु	20/05/2076	शनि	31/01/2085	बुध	29/11/2104	केतु	30/01/2111	शुक्र	01/07/2120
शनि	29/01/2079	बुध	28/01/2086	केतु	29/01/2106	शुक्र	30/01/2112		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 1 वर्ष 6 मा 25 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्लेषा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में कर्क लग्नोदय काल हुआ-लग्न के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर मीन राशि का नवमांश एवं द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म आकृति से यह निर्देश प्राप्त होता है कि आप में दो प्रकार की विशेषता विद्यमान है। प्रथम तो यह है कि आप आस्तिक विचार धारा की भगवान के प्रति समर्पित प्राणी हैं तथा भगवान से भयभीत रहती है। दूसरा यह है कि आपके मन में धार्मिक तीर्थ-स्थानों का भ्रमण, दर्शन की अभिरूचि रहती है तथा आप दानशील प्रवृति की प्राणी है। आप पूर्ण रूपेण सांसारिक विषयों के प्रति रूचिवान हैं। आप ऐहिक सुखों के भोग हेतु किस प्रकार धन उपार्जन किया जाए। अर्थात् चाहे जो कुछ भी हों जीवन के अन्तिम किनारे तक सुख भोग एवं आनन्द प्राप्त करें। इसके अतिरिक्त आपको मद्यपान से स्नेह हैं। आप इन दो भिन्न-भिन्न विशेषताओं को किस प्रकार समतल करेगीं यह आप ही जानती हैं।

आप वास्तव में सामंजस्य के विद्यान की ज्ञाता है तथा सामंजस्य स्थापित करती हैं। आप कुशाग्रबुद्धि की प्रशिक्षित विद्वतापूर्ण प्रतिभा सम्पन्न हैं। आप धन प्राप्ति हेतु अनीतिपूर्ण अभिलाषा नहीं रखती।

परन्तु आपकी जन्मजात प्रवृति है कि आपके दिमाग में यह बात रहती है कि किसी भी बातों के सम्बंध में भली प्रकार ज्ञान प्राप्त करें। आप किसी के साथ छल कपट पूर्ण व्यवहार नहीं कर दूसरों के साथ विश्वसनीयता पूर्वक सहयोग एवं सहारा लेकर किसी भी वस्तु को हस्तगत करना चाहिए की नीति अपनाती हैं।

आपको अपने जीवन में सदैव उत्तम एवं मनोहर आनन्द प्राप्ति की अभिरूचि रहती है क्योंकि आप स्वार्थी प्राणी हैं। इस दृष्टिकोण से आपको विशेषतया सतर्कता अपनाना चाहिए। कम से कम परिवार के सामने अपनी व्यक्तिगत महत्वकांक्षा को सीमित रखें। आपको अपनी पति एवं सुसन्तान के प्रति आज्ञाकारी भावनाओं से युक्त समर्पित भाव से सदैव तत्पर रहने से प्रसन्नता की प्राप्ति होगी। अतः आप निश्चित रूप से परिवारिक सदस्यों के सम्बंध की सीमा का उलंघन नहीं करे। आपको घर गृहस्थी द्वारा संयमित सुख साधन प्राप्त होगा। कर्क राशीय प्रभाव से आप वास्तव में अध्ययन तथा मार्गदर्शन कर सकती हैं। आप अपने निर्देशित शक्ति सम्पन्नता के पथ पर चलकर दूसरों के लिए उदाहरण प्रस्तुत करती हैं।

आपमें यह सामर्थ्य विद्यमान है कि आप कोई भी कार्य कुशलता पूर्वक सम्पन्न कर सकती हैं। आप अपनी तामसी प्रवृति का त्याग कर अथवा अवरूद्ध कर जन सामान्य में प्रसिद्धि प्राप्त करेंगी।

आप औसतन लम्बी छरहरे बदन, चेहरा एवं पूर्ण (गाल) कपोल युक्त सुन्दर है। आप समय के महत्व को समझ कर चल सकती हैं और आप बेढंगी चाल चलन को त्याग दें बल्कि दृढ़तापूर्वक शोभनीय आचरण करें। यदि आप अधिक भोजन ग्रहण करती रही तो आपके शरीर का अपरिमेय वृद्धि हो जाएगी तथा आप असामान्य दिखने लगेंगी। आपकी किशोरावस्था में स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा आप अधिक समय तक मनोहर सुन्दर दिखेंगी। आपके शरीर का

समुचित विकास होगा। कर्क राशीय सिद्धान्त के प्रभाव से आपकी छाती में तथा पेट सम्बंधी रोगों (समस्याओं) के प्रति सावधानी बरतें क्योकि कुछ वर्षों के पश्चात् पाचन क्रिया विकृत होकर आपके सामने दिक्कतें पैदा कर सकती है। साथ ही आप शान्ति पूर्वक जीवन व्यतीत करने की आदत डालें क्योंकि आप एक सुन्दर (प्रसन्न) प्राणी हैं।

आप हिस्ट्रीया रोग, जॉनडिस (पीलिया रोग) एवं जलोदर रोग से प्रभावित तथा आक्रान्त हो सकती हैं। आप सतर्कता पूर्वक नियमित रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कराती रहे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आप अंक 4 एवं 6 अंक का व्यवहार हेतु (पसन्द) चुन सकते हैं। अंक 3 एवं 5 अंकों का परित्याग करें।

आपके लिए अनुकूल रंग सफेद, क्रीमकलर पीला एवं लाल रंग उत्तम है। कृपया रंग हरा एवं ब्लू रंग के वस्त्रादि धारण नहीं करें।